Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
ISSN : 2231–167X (Print), Impact Factor: (Cosmos: 7.866 & I2OR: 5.675) Volume 16, No. 01(II), January-March, 2026, pp. 98-101

रोजगार योजनाओं का स्थानीय बाजार संरचना एवं व्यापारिक गतिविधियों पर प्रभावः रीवा जिले के संदर्भ में

सुमन शर्मा[1*] एवं डॉ. विद्युत प्रकाश मिश्रा[2]

[1]शोधार्थी वाणिज्य, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)।
[2]प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष वाणिज्य, राजभानु सिंह स्मारक महाविद्यालय, मनिकवार, जिला रीवा (म.प्र.)।

[*]Corresponding Author: tdileep1390@gmail.com

***Citation**: शर्मा, सुमन एवं मिश्रा, विद्युत (2026). रोजगार योजनाओं का स्थानीय बाजार संरचना एवं व्यापारिक गतिविधियों पर प्रभाव : रीवा जिले के संदर्भ में. Journal of Modern Management & Entrepreneurship, 16(01(II)), 98–101.*
https://doi.org/10.62823/JMME/16.01(II).8789

सार

प्रस्तुत शोध अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य रीवा जिले में संचालित विभिन्न शासकीय रोजगार योजनाओं के स्थानीय बाजार संरचना एवं व्यापारिक गतिविधियों पर उनके प्रभाव का विश्लेषणात्मक मूल्यांकन किया गया है। ग्रामीण एवं अर्द्ध–शहरी क्षेत्रों में संचालित रोजगार योजनाएँ– मनरेगा, स्वरोजगार योजनाएँ एवं कौशल विकास कार्यक्रम आदि केवल आय सृजन के साधन मात्र नहीं हैं, अपितु वे स्थानीय बाजारों में मांग एवं आपूर्ति की संरचना को भी प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। इन योजनाओं के माध्यम से लाभार्थियों की क्रय–शक्ति में वृद्धि होती है, जिसके परिणामस्वरूप उपभोग स्तर में विस्तार तथा व्यापारिक गतिविधियों में गतिशीलता परिलक्षित होती है। अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में क्षेत्रीय असमानता, संसाधनों के वितरण में असंतुलन तथा बाजार अवसंरचना की अपर्याप्तता जैसी चुनौतियाँ विद्यमान हैं, जो इनके अपेक्षित प्रभाव को सीमित करती हैं और साथ ही संस्थागत समन्वय की कमी एवं सूचना के अभाव के कारण योजनाओं का लाभ सभी लक्षित वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुँच पाता है। अतः यह आवश्यक प्रतीत होता है कि रोजगार योजनाओं के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन के साथ–साथ स्थानीय बाजार संरचना के सुदृढ़ीकरण, अवसंरचनात्मक विकास तथा संस्थागत समर्थन को शासन स्तर पर प्राथमिकता प्रदान की जानी चाहिए। इस प्रकार रोजगार योजनाएँ न केवल आय एवं रोजगार के अवसरों का विस्तार कर सकती हैं, बल्कि स्थानीय आर्थिक विकास की प्रक्रिया को भी सुदृढ़ एवं सतत् दिशा प्रदान कर सकती हैं।

***शब्दकोशः** रोजगार योजनाएँ, स्थानीय बाजार, व्यापारिक गतिविधियाँ, आय वृद्धि, मांग–आपूर्ति, रीवा जिला, ग्रामीण अर्थव्यवस्था।*

प्रस्तावना

भारत जैसे विकासशील देश में रोजगार सृजन आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार है। जो विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ के व्यक्तियों की कृषि पर निर्भरता अधिक रहती है, रोजगार योजनाएँ आय के वैकल्पिक स्रोत प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न

* *Copyright © 2026 by Author's and Licensed by Inspira. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

योजनाएँ– मनरेगा, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं कौशल विकास आदि योजनाएँ ग्रामीण एवं अर्द्ध–शहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करती हैं। रीवा जिला, मध्यप्रदेश के विंध्य क्षेत्र में स्थित, एक प्रमुख ग्रामीण प्रधान क्षेत्र है जहाँ रोजगार के सीमित अवसरों के कारण जनसंख्या का पलायन एक सामान्य समस्या रही है। इस संदर्भ में रोजगार योजनाओं का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। ये योजनाएँ न केवल आय सृजन करती हैं बल्कि स्थानीय बाजार संरचना को भी प्रभावित करती हैं।

प्रस्तुत शोध आलेख में स्थानीय बाजार संरचना से आशय उन संस्थागत एवं व्यावहारिक व्यवस्थाओं से है, जिनके माध्यम से वस्तुओं एवं सेवाओं का विनिमय होता है। रोजगार योजनाओं के माध्यम से जब लोगों की आय में वृद्धि होती है, तो उनकी क्रय शक्ति बढ़ती है, जिससे बाजार में मांग में वृद्धि होती है। यह स्थिति व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करती है तथा स्थानीय स्तर पर नए व्यवसायों के विकास को बढ़ावा देती है। रीवा जिले में रोजगार योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन यह दर्शाता है कि इन योजनाओं ने ग्रामीण बाजारों में उपभोग प्रवृत्ति को प्रभावित किया है। जिसकी वजह से दैनिक उपभोग की वस्तुओं, निर्माण सामग्री एवं सेवाओं की मांग में वृद्धि हुई है, जिससे स्थानीय व्यापारियों को लाभ प्राप्त हो रहा है।

इस प्रकार बाजार संरचना में अभी भी कई चुनौतियाँ विद्यमान हैं। जिनमें अपर्याप्त बाजार अवसंरचना, परिवहन सुविधाओं की कमी, तथा वित्तीय संस्थाओं तक सीमित पहुंच आदि प्रमुख हैं। इन समस्याओं के कारण रोजगार योजनाओं के पूर्ण लाभ को प्राप्त करना संभव नहीं हो पा रहा है। वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य इन सभी पहलुओं का वाणिज्यिक दृष्टिकोण से विश्लेषण करना है, जिससे यह समझा जा सके कि रोजगार योजनाएँ स्थानीय बाजार संरचना एवं व्यापारिक गतिविधियों को किस प्रकार प्रभावित करती हैं।

शोध का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध आलेख के अंतर्गत रीवा जिले में संचालित रोजगार योजनाओं के स्थानीय बाजार संरचना एवं व्यापारिक गतिविधियों पर प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। रोजगार योजनाएँ न केवल आय सृजन का माध्यम हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित करती हैं। इस अध्ययन के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया गया है कि योजनाओं के कारण बाजार में मांग–आपूर्ति की संरचना किस प्रकार परिवर्तित होती है तथा व्यापारिक गतिविधियों में किस प्रकार वृद्धि होती है। प्रस्तुत शोध कार्य के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं –

- शोध क्षेत्र के रोजगार योजनाओं के स्थानीय बाजार संरचना पर प्रभाव का विश्लेषण करना।
- अध्ययन क्षेत्र के व्यापारिक गतिविधियों में हुए परिवर्तन का अध्ययन करना।
- रीवा जिले में योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं एवं सुधार की संभावनाओं का मूल्यांकन करना।

उक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए शोध पत्र को वास्तविक मानकों के अनुरूप पूर्ण करने का सार्थक प्रयास किया गया है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों प्रकार के आंकड़ों का उपयोग किया गया है। प्राथमिक आंकड़े अध्ययन क्षेत्र के 300 उत्तरदाताओं से संरचित प्रश्नावली के माध्यम से एकत्रित किए गए हैं। इसमें लाभार्थियों, व्यापारियों एवं सेवा प्रदाताओं को शामिल किया गया है। द्वितीयक आंकड़ों के लिए सरकारी रिपोर्ट, आर्थिक सर्वेक्षण एवं शोध आलेखों का उपयोग किया गया है। समंकों का विश्लेषण प्रतिशत एवं तुलनात्मक विधि से किया गया है। इससे निष्कर्षों की प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित की गई है।

विश्लेषण

रीवा जिले में रोजगार योजनाओं का प्रभाव स्थानीय बाजार संरचना पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। योजनाओं के माध्यम से प्राप्त आय ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्रय शक्ति को बढ़ाया है, जिससे उपभोग में वृद्धि हुई है। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव स्थानीय बाजारों में व्यापारिक गतिविधियों के विस्तार के रूप में देखा गया है। छोटे दुकानदारों, सेवा प्रदाताओं एवं लघु उद्यमों को रोजगार योजनाओं से उत्पन्न मांग का लाभ मिला है। जो विशेष रूप से निर्माण कार्यों से संबंधित गतिविधियों में वृद्धि लाने में सहायक रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं व्यापार दोनों को बढ़ावा मिला है। इस प्रकार बाजार संरचना में असमानता एवं अवसंरचना की कमी के कारण इन लाभों का समान वितरण नहीं हो पाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार सुविधाओं का अभाव एवं परिवहन समस्याएँ आदि व्यापारिक गतिविधियों के विस्तार में बाधा उत्पन्न करती हैं। इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र में रोजगार योजनाओं के स्थानीय बाजार एवं व्यापारिक गतिविधियों के प्रभावों से संबंधित प्राथमिक स्तर पर समंकों को एकत्रित कर सारणी क्रमांक–01 में प्रस्तुत कर विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है, जो इस प्रकार है –

सारणी 1: रोजगार योजनाओं के स्थानीय बाजार एवं व्यापारिक गतिविधियों पर प्रभाव से संबंधी विवरण

क्रमांक	विवरण	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत (%)
1.	आय में वृद्धि का अनुभव	90	30
2.	बाजार मांग में वृद्धि	75	25
3.	व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि	80	26.67
4.	कोई विशेष परिवर्तन नहीं	55	18.33
कुल योग		300	100.00

स्रोत– क्षेत्रीय सर्वेक्षण, वर्ष 2024–25

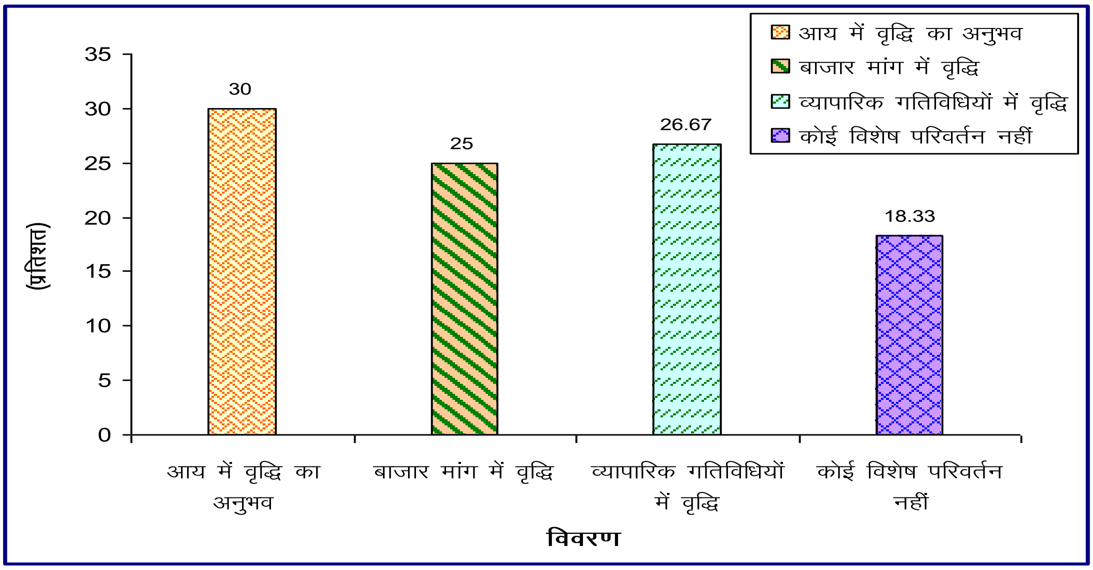

आरेख 1: रोजगार योजनाओं के स्थानीय बाजार एवं व्यापारिक गतिविधियों पर प्रभाव से संबंधी विवरण।

उपरोक्त सारणी एवं आरेख से यह स्पष्ट होता है कि 30% उत्तरदाताओं ने रोजगार योजनाओं के कारण आय में वृद्धि का अनुभव किया, जो बाजार में क्रय शक्ति बढ़ने का संकेत है। जबकि 25% उत्तरदाताओं ने बाजार मांग में वृद्धि को स्वीकार किया है, जो स्थानीय व्यापार के विस्तार को दर्शाता है। इस प्रकार 26.67% उत्तरदाताओं के अनुसार व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि हुई है, जो यह इंगित करता है कि रोजगार

योजनाएँ स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिशीलता को बढ़ावा देती हैं तथा 18.33% उत्तरदाताओं ने कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने की बात कही है, जो यह दर्शाता है कि योजनाओं का प्रभाव सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुँच पाया है।

शोध की समस्याएँ एवं सुझाव

प्रस्तुत अध्ययन के दौरान यह तथ्य उभरकर सामने आया कि रोजगार योजनाओं के प्रभाव का यथार्थपरक आकलन करने में समंकों की यथार्थता एक प्रमुख बाधा के रूप में विद्यमान रही है। अनेक उत्तरदाता योजनाओं से प्राप्त वास्तविक लाभ, आय स्तर एवं आर्थिक परिवर्तन आदि के संबंध में स्पष्ट एवं परिशुद्ध जानकारी प्रदान करने में असमर्थ रहे, जिससे प्राथमिक आंकड़ों की विश्वसनीयता आंशिक रूप से प्रभावित रही है। इसके अतिरिक्त योजनाओं के क्रियान्वयन में क्षेत्रीय असमानता, प्रशासनिक स्तर पर समन्वय की कमी तथा संसाधनों के असंतुलित वितरण आदि संरचनात्मक समस्याएँ भी अध्ययन की निष्पक्षता एवं व्यापकता को सीमित करती हैं और साथ ही स्थानीय बाजार अवसंरचना की अपर्याप्तता एवं वित्तीय संस्थानों तक सीमित पहुंच भी योजनाओं के अपेक्षित प्रभाव को बाधित करती है।

उपरोक्त समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में यह आवश्यक है कि रोजगार योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं प्रभावी निगरानी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए। लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी, प्रशिक्षण एवं परामर्श सेवाएँ आदि प्रदान कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए और साथ ही स्थानीय बाजारों के विकास हेतु अवसंरचनात्मक सुविधाओं– परिवहन, भंडारण एवं विपणन तंत्र आदि का विस्तार किया जाना आवश्यक है। वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देकर ऋण एवं अन्य वित्तीय सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित की जाए, जिससे रोजगार योजनाओं का वाणिज्यिक प्रभाव अधिक व्यापक एवं स्थायी बन सके।

निष्कर्ष

अध्ययन कार्य से यह सुस्पष्ट होता है कि रोजगार योजनाएँ रीवा जिले में स्थानीय बाजार संरचना एवं व्यापारिक गतिविधियों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन योजनाओं के माध्यम से आय में वृद्धि होने से बाजार में मांग बढ़ती है, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलता है। अतः योजनाओं के प्रभाव का पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए बाजार संरचना का सुदृढ़ीकरण आवश्यक है। यदि अवसंरचना विकास, वित्तीय समावेशन एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान दिया जाए, तो रोजगार योजनाएँ स्थानीय आर्थिक विकास का एक सशक्त माध्यम बन सकती हैं।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. शर्मा, आर.के., ग्रामीण विकास एवं रोजगार योजनाएँ, जयपुर, 2018
2. सिंह, ए.के., Indian Rural Economy, नई दिल्ली, 2019।
3. गुप्ता, एस.पी., रोजगार सृजन एवं बाजार संरचना, भोपाल, 2020
4. वर्मा, एम.एल., Development Economics, नई दिल्ली, 2021
5. मध्यप्रदेश शासन, आर्थिक सर्वेक्षण, 2022
6. भारत सरकार, मनरेगा रिपोर्ट, 2023
7. कौशल विकास मंत्रालय, वार्षिक रिपोर्ट, 2024.

❑❑❑